

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. :
Unique Paper Code : 12137902
Name of the Paper : Art of Balanced Living
Name of the Course : B.A. (Hon.), Sanskrit, DSE
Semester : VI
Duration : 2 Hours
Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन – 'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' को स्पष्ट कीजिए।

Explain this statement - 'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' of Yājñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

2. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
Discuss the nature of Śravaṇa, Manana, and Nididhyāsana on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

3. चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए ।

Explain the measures to control the Chittavritti.

4. 'यम' के स्वरूप का विशद विवेचन कीजिए ।

Discuss the nature of 'Yama' in detail.

5. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्मयोग' की महत्ता का वर्णन कीजिए ।

Describe the importance of '*Karma-Yoga*' for balanced living on the basis of *Gītā*.

6. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ध्यानयोग' की महत्ता का वर्णन कीजिए ।

Describe the importance of '*Dhyāna-Yoga*' for balanced living on the basis of *Gītā*.